

महापाशुपत पुं. (तत्.) 1. शैवों का एक प्राचीन संप्रदाय जिसमें पशुपति की उपासना होती थी 2. बकुल, मौलसिरी।

महापीठ पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा पीठ या पुण्य-स्थान जैसे- कामरूप किसी समय तांत्रिकों का महापीठ माना जाता था 2. वह पवित्र आधार या स्थान जहाँ किसी देवी, देवता की प्रतिमा प्रतिष्ठित हो, मूर्ति का आधार 3. उन प्रसिद्ध स्थानों में से हर एक जहाँ सती के शव के अंग कटकर गिरे थे 4. शंकर मठ 5. कोई बहुत बड़ा स्थान।

महापुट पुं. (तत्.) वैद्यक में, भस्म, रस आदि तैयार करने की एक विधि।

महापुण्य पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा पाप 2. एक बोधिसत्व का नाम।

महापुण्या स्त्री. (तत्.) एक नदी।

महापुराण पुं. (तत्.) अठारह पुराणों में से एक जिसके रचयिता व्यास थे।

महापुरुष पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा तथा उच्च विचारों वाला पुरुष 2. नारायण 3. व्यंग्यार्थ में दुष्ट व्यक्ति।

महापुष्प स्त्री. (तत्.) 1. कंद का वृक्ष 2. काला मूँग 3. लाल कनेर 4. एक प्रकार का कीड़ा।

महापुष्पा स्त्री. (तत्.) अपराजिता (लता)।

महापूजा स्त्री. (तत्.) आश्विन के नवरात्र में की जाने वाली दुर्गा की पूजा।

महाप्रजापति पुं. (तत्.) विष्णु।

महाप्रतिहार पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल का एक उच्च राज कर्मचारी, जो आज-कल के कोतवाल के समान होता था 2. मुख्य-द्वारपाल।

महा-प्रभाव वि. (तत्.) दूसरों को अपना झूठा प्रभाव दिखाकर उन पर आतंक जमाने या रोब गाँठने वाला।

महाप्रभु पुं. (तत्.) 1. ईश्वर 2. शिव 3. विष्णु 4. इंद्र 5. राजा 6. संन्यासी 7. स्वामी वल्लभाचार्य 8. चैतन्य।

महाप्रलय पुं. (तत्.) वह प्रलय जिसमें सब लोकों, उनके निवासियों, देवताओं तथा ब्रह्मा का भी नाश हो जाता है।

महाप्रसाद पुं. (तत्.) 1. देवी देवता को चढ़ाया हुआ प्रसाद 2. जगन्नाथ जी को चढ़ाया हुआ भात 3. माँस आदि ऐसे खाद्य पदार्थ जिन्हें वैष्णव अखाद्य पदार्थ समझते हैं 4. सिक्खों में पकाया हुआ माँस।

महाप्रस्थान पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में वर्गारोहण के उद्देश्य से महापथ के द्वारा की जाने वाली दुर्गम पर्वतों की यात्रा 2. मृत्यु, मौत।

महाप्राण पुं. (तत्.) व्या. ऐसा वर्ण जिसके उच्चारण में प्राण-वायु का विशेष व्यवहार करना पड़ता है जैसे- क्, ख, छ, ढ, थ, ध, फ, भ, श, ष, स, और ह।

महाबकी स्त्री. (तत्.) पूतना राक्षसी का एक नाम।

महाबाहु वि. (तत्.) 1. लंबी भुजाओं वाला 2. बलवान् 3. शक्तिशाली पुं. 1. विष्णु 2. धृतराष्ट्र का एक पुत्र।

महाबुद्धि वि. (तत्.) 1. बहुत बुद्धिमान 2. चालाक, धूर्त।

महबोधि पुं. (तत्.) 1. महात्मा बुद्ध द्वारा अर्जित किया हुआ ज्ञान 2. बुद्धदेव।

महाभद्रा स्त्री. (तत्.) 1. गंगा 2. काश्मरी।

महाभागवत पुं. (तत्.) 1. परम वैष्णव 2. पुराणानुसार ये बारह प्रसिद्ध भक्त-मनु, सनकादि, नारद, कपिल, जनक, ब्रह्मा, बलि, भीष्म, प्रह्लाद, शुकदेव, धर्मराज और शंभु 3. श्रीमद्भागवत् पुराण 4. एक प्राचीन-छंद।

महाभागा स्त्री. (तत्.) कश्यप की पत्नी, अदिति, दाक्षायणी।

महाभारत पुं. (तत्.) 1. महर्षि व्यास रचित एक प्रसिद्ध प्राचीन ऐतिहासिक महाकाव्य जिसमें कौरवों और पांडवों के युद्ध का वर्णन और जिसे हिंदु अपना प्रामाणिक धर्मग्रंथ मानते हैं 2. कौरवों और पांडवों का वह बहुत बड़ा युद्ध